

भारतीय वदेश मंत्री की मालदीव यात्रा

प्रलम्बिस् के लयि:

मालदीव, हदि महासागर क्षेत्र, उच्च परभाव सामुदायकि वकिस परयिोजनाएँ (HICDP), 5 मलियिन टरी प्रोजेक्ट, ग्रेटर माले कनेक्टविटी प्रोजेक्ट (GMCP), अड्डू रकिलेमेशन एंड शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट, हाइडरोलॉजी एगरीमेंट, इंडिया आउट कैपेन, लकषद्वीप, नेबरहुड फरसट पॉलिसी, वज्रयान बौद्ध धरम, कोवडि-19 महामारी, ऑपरेशन कैक्टस, शपिगि लेन, नेशनल सेंटर ऑफ गुड गवर्नेंस (NCGG)

मेन्स के लयि:

हदि महासागर क्षेत्र में शांति, स्थरिता और समृद्धि बनाए रखने में मालदीव का महत्त्व ।

स्रोत: द हदि

भारत के वदेश मंत्री (External Affairs Minister- EAM) एस. जयशंकर ने **मालदीव** की महत्त्वपूर्ण यात्रा पूरी की ।

- उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि मालदीव **हदि महासागर क्षेत्र** में शांति, स्थरिता और समृद्धि बनाए रखने में भारत का एक महत्त्वपूर्ण साझेदार बना हुआ है ।

यात्रा के मुख्य परणाम क्या हैं?

- **जल एवं सीवरेज नेटवर्क:** श्री जयशंकर और मालदीव के वदेश मंत्री ने संयुक्त रूप से मालदीव के 28 द्वीपों में जल एवं सीवरेज नेटवर्क की भारत की **लाइन ऑफ क्रेडिट (LoC)** (एक प्रकार का 'सुलभ ऋण' जो एक देश की सरकार द्वारा किसी अन्य देश की सरकार को रणियती ब्याज दरों पर दिया जाता है) सहायता प्राप्त परयोजना का उद्घाटन किया ।
- **क्षमता निर्माण:** भारत में अतरिकित **1,000 मालदीव के सविलि सेवकों** की क्षमता निर्माण पर एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए ।
- **UPI का शुभारंभ:** दोनों देश मालदीव में **UPI** की शुरुआत पर सहमत हुए ।
- **सामुदायिक विकास परयोजनाएँ:** मानसिक स्वास्थ्य, विशेष शिक्षा, स्पीच थेरेपी और स्ट्रीट लाइटिंग के क्षेत्रों में भारत द्वारा अनुदान सहायता के तहत छह **उच्च परभाव सामुदायिक विकास परयोजनाओं (HICDP)** का संयुक्त रूप से उद्घाटन किया गया ।
- **'एक पेड़ माँ के नाम' पहल:** भारतीय वदेश मंत्री ने प्रधानमंत्री मोदी की **'एक पेड़ माँ के नाम' पहल** और राष्ट्रपति मुइजू की **5 मलियिन टरी परयोजना** के हिससे के रूप में **लोनूजियाराय पार्क** में एक पौधा लगाया ।
- **ग्रेटर मेल कनेक्टविटी प्रोजेक्ट:** वदेश मंत्री ने भारत द्वारा सहायता प्राप्त **ग्रेटर माले कनेक्टविटी प्रोजेक्ट (GMCP)** स्थल का दौरा किया और इस प्रमुख विकास परयोजना की प्रगतिके लिये भारत की प्रतबिद्धता की घोषणा की ।
 - यह माले को **वलिगिली, गुलहफालहू और थलिफुशी** के नकिटवर्ती द्वीपों से जोड़ेगा ।
- **अड्डू रकिलेमेशन और शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट:** वदेश मंत्री ने **अड्डू रकिलेमेशन एंड शोर प्रोटेक्शन प्रोजेक्ट** और **अड्डू डेटर लकि बरजि प्रोजेक्ट** का उद्घाटन किया ।

वदेश मंत्री की मालदीव यात्रा का क्या महत्त्व है?

- **सामरिक साझेदारी की पुनः पुष्टि:** यह यात्रा भारत-मालदीव संबंधों में एक **'महत्त्वपूर्ण उपलब्धि'** है, विशेषकर राष्ट्रपति मोहम्मद मुइजू के साथ, जनिहें **चीन समर्थक** माना जाता है ।
 - यह मालदीव द्वारा **जल-वजिज्ञान समझौते** को रद्द करने जैसे **मुद्दों के बावजूद** मालदीव के साथ अपनी रणनीतिक साझेदारी को मज़बूत करने की **भारत की प्रतबिद्धता** की पुनः पुष्टिकरता है ।
 - यह मुइजू द्वारा **भारतीय सेना की वापसी** के आह्वान तथा चीन के साथ उनके कथित संबंधों के कारण उत्पन्न प्रारंभिक तनाव के बाद द्वपिकषीय संबंधों में सुधार का संकेत है ।
- **द्वपिकषीय तनाव में कमी:** इस यात्रा से द्वपिकषीय तनाव में कमी आई है, विशेष रूप से मालदीव के राष्ट्रपतिके **इंडिया आउट अभियान** और मालदीव के मंत्रियों द्वारा भारतीय हतियों के वषिय में की गई अपमानजनक टपिणयियों के बाद ।

- **आर्थिक और सामाजिक संबंध:** राजनीतिक और सैन्य मतभेदों के बावजूद, दोनों देशों के बीच आर्थिक एवं सामाजिक संबंध मज़बूत बने हुए हैं तथा भारत मालदीव में पर्यटकों का एक प्रमुख स्रोत है।
 - यह यात्रा इन संबंधों को और मज़बूत कर सकती है, जिससे व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में नरितर सहयोग सुनिश्चित होगा।
- **क्षेत्रीय स्थिति:** चूँकि मालदीव श्रीलंका की तरह आर्थिक चुनौतियों और संभावित ऋण संकटों का सामना कर रहा है, इसलिये भारत का समर्थन क्षेत्रीय स्थिति परदान कर सकता है। यह भारत को **आर्थिक संकट** के दौरान एक विश्वसनीय भागीदार के रूप में स्थापित करता है जो क्षेत्र में स्थिति बनाए रखने हेतु आवश्यक है।
- **बुनियादी अवसंरचना और विकास परियोजनाएँ:** भारत द्वारा वित्त पोषित मालदीव के 28 द्वीपों पर जलापूर्ति और सीवरेज सुविधाओं का हस्तांतरण देश के विकास के लिये भारत के सतत समर्थन को दर्शाता है।
 - ये परियोजनाएँ स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देंगी और **मालदीव की समृद्धि** में भारत की भूमिका को उजागर करेंगी तथा उनके द्विपक्षीय संबंधों में महत्त्वपूर्ण उपलब्धियाँ साबित होंगी।
- **कूटनीतिक संकेत:** यह यात्रा भारत-मालदीव संबंधों की मज़बूती का संकेत देती है, जो नेतृत्व परिवर्तन और चुनौतियों के बावजूद सहयोग के लिये **आपसी प्रतिबद्धता** को उजागर करती है। यह दोनों देशों के बीच भविष्य के लिये साझा दृष्टिकोण को दर्शाता है।

1000 मालदीव सविलि सेवा अधिकारियों को प्रशिक्षण

- भारत और मालदीव ने वर्ष 2024-2029 की अवधि के दौरान **1000 मालदीव सविलि सेवा अधिकारियों** की क्षमता निर्माण के लिये समझौता ज्ञापन को नवीनीकृत किया।
 - **8 जून 2019** को **राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG, भारत)** और **मालदीव सविलि सेवा आयोग** के बीच 1,000 मालदीव के सविलि सेवकों को प्रशिक्षण देने के लिये एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गए।
- कार्यक्रम में **भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (ACC)** और मालदीव के सूचना आयोग कार्यालय (ICOM) के लिये प्रशिक्षण सहित क्षेत्रीय प्रशासन में क्षमता निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया गया।
- प्रशिक्षुओं में मालदीव के स्थायी सचिव, महासचिव और उच्चस्तरीय प्रतिनिधि शामिल थे।
- नवीनीकृत साझेदारी का उद्देश्य सार्वजनिक नीति, शासन और क्षेत्रीय प्रशासन में मालदीव के सविलि सेवकों की क्षमताओं को और बढ़ाना है।
- वदेश मंत्रालय के अंतर्गत **राष्ट्रीय सुशासन केंद्र (NCGG)** ने बांग्लादेश, तंज़ानिया, गाम्बिया, मालदीव, श्रीलंका और कंबोडिया सहित कई देशों के सविलि सेवकों के लिये क्षमता निर्माण कार्यक्रम आयोजित किये हैं।
 - **NCGG वैश्विक स्तर पर सार्वजनिक नीति और शासन पर ज्ञान के आदान-प्रदान तथा सहयोग को बढ़ावा देने हेतु समर्पित है।**

भारत और मालदीव एक दूसरे के लिये किस प्रकार महत्त्वपूर्ण हैं?

- **भारत के लिये मालदीव का महत्त्व:**
 - **सामरिक स्थिति:** भारत के दक्षिण में स्थिति मालदीव हिंद महासागर में अत्यधिक **सामरिक महत्त्व** रखता है तथा **अरब सागर** और उससे आगे के लिये प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।
 - इससे भारत को समुद्री यातायात की नगिरानी करने और क्षेत्रीय सुरक्षा बढ़ाने में सहायता मिलेगी।
 - **सांस्कृतिक संबंध:** भारत और मालदीव के बीच सदियों पुराना गहरा सांस्कृतिक एवं ऐतिहासिक संबंध है। 12वीं सदी के पहले हिस्से तक मालदीव के द्वीपों में **बौद्ध धर्म प्रमुख धर्म था।**
 - यहाँ **वज्रयान बौद्ध धर्म** का एक शिलालेख है जो प्राचीन काल में मालदीव में मौजूद था।
 - **क्षेत्रीय स्थिति:** एक स्थिर और **समृद्ध मालदीव भारत की "नेबरहुड फ़रस्ट" नीतिके अनुरूप है** जो हिंद महासागर क्षेत्र में शांति और सुरक्षा को बढ़ावा देता है।
- **मालदीव के लिये भारत का महत्त्व:**
 - **आवश्यक आपूर्ति:** भारत चावल, मसाले, फल, सब्ज़ियाँ और दवाइयों सहित **रोज़मर्रा की ज़रूरतों की वस्तुओं** का एक महत्त्वपूर्ण आपूर्तिकर्ता है। भारत **सीमेंट और पत्थर जैसी सामग्री** प्रदान करके मालदीव के बुनियादी अवसंरचना के निर्माण में भी सहायता करता है।
 - **शिक्षा:** भारत **मालदीव के छात्रों के लिये प्राथमिक शिक्षा प्रदाता के रूप में कार्य करता है**, जो भारतीय संस्थानों में उच्च शिक्षा प्राप्त करते हैं, जिसमें योग्य छात्रों के लिये छात्रवृत्तियाँ भी शामिल हैं।
 - **आपदा सहायता:** भारत **सुनामी और पेयजल की कमी जैसे संकटों** के दौरान सहायता का एक नरितर स्रोत रहा है।
 - **कोविड-19 महामारी** के दौरान आवश्यक वस्तुओं और सहायता का प्रावधान एक **विश्वसनीय भागीदार के रूप में भारत की भूमिका को दर्शाता है।**
 - **सुरक्षा प्रदाता:** भारत का इतिहास रहा है कि उसने वर्ष 1988 में **ऑपरेशन कैकटस** के माध्यम से तख़तापलट के प्रयास के दौरान सुरक्षा सहायता प्रदान की थी तथा मालदीव की सुरक्षा के लिये संयुक्त नौसैनिक अभ्यास भी किये थे।
 - संयुक्त अभ्यासों में **'एकवेरनि', 'दोसती' और 'एकता'** शामिल हैं।
 - **मालदीव पर्यटन में भारत का प्रभुत्व:** कोविड-19 महामारी के बाद से भारतीय पर्यटक मालदीव के लिये प्रमुख बाज़ार स्रोत बन गए हैं।
 - वर्ष 2023 में, कुल पर्यटकों के आगमन में उनकी हसिसेदारी 11.2% थी, जो **18.42 लाख थी।**

भारत-मालदीव संबंधों से जुड़ी प्रमुख चुनौतियाँ क्या हैं?

- **इंडिया आउट अभियान:** इस अभियान में मालदीव में भारत की उपस्थिति को प्रभावी रूप में चित्रित किया गया, जिससे यह धारणा बनी कि भारत मालदीव की संप्रभुता में हस्तक्षेप कर रहा है।
 - भारत को मालदीव को उपहार स्वरूप दिये गए तीन वमिनन प्लेटफॉर्मों पर तैनात भारतीय सैन्यकर्मियों को वापस बुलाने के लिये मजबूर होना पड़ा।
- **पर्यटन पर दबाव:** भारतीय नेताओं और भारतीय क्षेत्र (लक्षद्वीप) के वषिय में गैर-कूटनीतिक टिप्पणियों को लेकर उत्पन्न कूटनीतिक विवाद के बाद मालदीव का पर्यटन क्षेत्र जाँच के दायरे में आ गया।
 - इससे लोगों में आक्रोश के कारण सोशल मीडिया पर "मालदीव का बहिष्कार" का ट्रेंड शुरू हो गया।
- **मालदीव में चीन का बढ़ता प्रभाव:** मालदीव में चीनी लोगों का प्रभाव तेज़ी से बढ़ रहा है। प्रमुख शपिंग मार्गों और भारत से मालदीव की नक़ीटता इसे चीन के लिये रणनीतिक रूप से महत्त्वपूर्ण बनाती है, जिससे संभावित रूप से चीन की गहरी भागीदारी में रुचि बढ़ सकती है।
 - इससे भारत में बैचैनी उत्पन्न हुई है और इससे क्षेत्रीय भू-राजनीतिक प्रतस्पर्धा हो सकती है।

नषिकर्ष

भारत और मालदीव के बीच वकिसति होते रशिते आपसी हतितों और साझा लक्ष्यों पर आधारित रणनीतिक साझेदारी को रेखांकित करते हैं। चुनौतियों और नेतृत्व में बदलाव के बावजूद, दोनों देश सुरक्षा, आर्थिक वकिस और क्षेत्रीय स्थिरता जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने हेतु प्रतबिद्ध हैं। साथ मलिकर, दोनों देश एक मज़बूत गठबंधन को बढ़ावा दे सकते हैं जो न केवल उनके द्वपिक्षीय संबंधों को लाभ पहुँचाएगा बल्कएक स्थिर और समृद्ध हदि महासागर क्षेत्र में भी योगदान देगा।

अधिक पढ़ें: [भारत मालदीव संबंध](#)

दृष्टांभेन्स प्रश्न:

प्रश्न: स्थिर और समृद्ध हदि महासागर क्षेत्र में मालदीव की भूमिका पर चर्चा कीजिये। भारत और मालदीव के बीच स्वस्थ संबंध एक दूसरे के लिये कैसे लाभकारी हो सकते हैं?

UPSC सविलि सेवा परीक्षा, वगित वर्ष के प्रश्न

[?/?/?/?/?]:

प्रश्न. 'मोतयितों की माला' से आप क्या समझते हैं? यह भारत को कैसे प्रभावित करती है? इसका मुकाबला करने के लिये भारत द्वारा उठाए गए कदमों की संक्षेप में रूपरेखा प्रस्तुत कीजिये। (2013)

प्रश्न. पछिले दो वर्षों के दौरान मालदीव में राजनीतिक घटनाक्रमों पर चर्चा कीजिये। क्या उन्हें भारत के लिये चति का कारण होना चाहिये? (2013)